मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 170, मुंबई, गुरुवार, 11 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

की हार्दिक शुभकामनाएं

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर

काजू कतरी, काजू रोल बदाम बर्फी, बदाम रोल केसर पेड़े, पिस्ता लॉज मिलेगा.

Order Now
www.mmmithaiwala.com
+91 98208 99501
MM MITHAIWALA

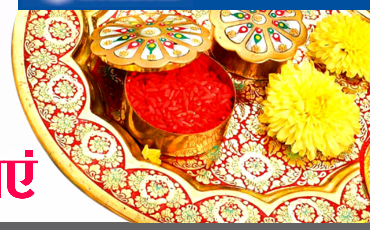

बिहार में 8वीं बार NITISH KUMAR

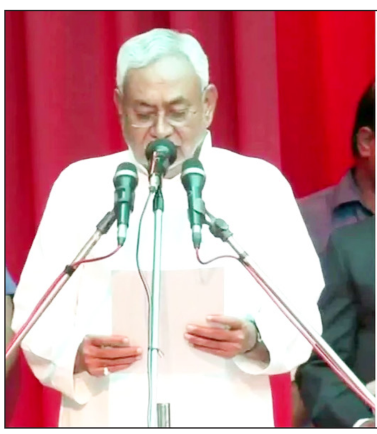

डिप्टी सीएम बनते ही तेजस्वी ने छुए पैर, नीतीश बोले- 2024 के लिए एकजुट रहे विपक्ष

मुंबई हलचल / संवाददाता

पटना। नीतीश कुमार ने 8वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ले ली है। राज्यपाल फागू चौहान ने बुधवार को उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नीतीश ने हिंदी में ईश्वर के नाम की शपथ ली। उनके तुरंत बाद तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। शपथ लेते ही तेजस्वी ने मंच पर ही नीतीश कुमार के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद नीतीश ने 2024 के लिए विपक्ष से एकजुट रहने की अपील की। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बिहार में जो हुआ वो ऑपरेशन लोटस से कितना अलग है। न कैश पकड़ा गया, न ईडी की छापेमारी हुई। न असम के सीएम की जरूरत पड़ी, न रिजॉर्ट की: जयराम रमेश, कांग्रेस महासचिव

तेजस्वी का भाजपा पर हमला

बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि महागठबंधन इतना मजबूत है कि विधानसभा में विपक्ष में सिर्फ भाजपा बचेगी। सीएम नीतीश कुमार द्वारा लिया गया मुश्किल फैसला एक ऐसा फैसला है जिसकी जरूरत थी। सांप्रदायिक तनाव भाजपा द्वारा फैलाया जा रहा था, वे क्षेत्रीय दलों को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। तेजस्वी ने कहा, बिहार ने वही किया जो देश को करने की जरूरत है। हमने उन्हें रास्ता दिखाया है। हमारी लड़ाई बेरोजगारी के खिलाफ रही है। हमारे सीएम ने गरीबों और युवाओं का दर्द महसूस किया। हम गरीबों और युवाओं को एक महीने के भीतर बंपर नौकरी देंगे, यह इतना भव्य होगा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।

महाराष्ट्र में 18 मंत्रियों ने ली शपथ

भाजपा और शिंदे गुट से 9-9 मंत्री बने

नए मंत्रियों में से 70% दागी, सभी करोड़पति

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री बनने के 39 दिन बाद मंगलवार को महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का गठन हो गया। 50-50 फॉर्मूले के तहत दोनों ओर से 9-9 विधायक मंत्री बनाए गए। सबसे पहले भाजपा के राधाकृष्ण विखे पाटिल ने शपथ ली। नए मंत्रिमंडल में भाजपा के प्रभात लोढा सबसे अमीर हैं, जबकि मुख्यमंत्री खुद सबसे कम 10वीं पास हैं। शिंदे की नई टीम में सभी मंत्री करोड़पति हैं। सबसे अमीर मालाबार हिल्स से भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढा हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

बागी विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाना लोकतंत्र एवं संविधान की हत्या है : शिवसेना

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद शिवसेना ने दावा किया कि उन बागी विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाना लोकतंत्र और संविधान की हत्या के समान है, जिन्हें अयोग्य घोषित करने की याचिकाएं उच्चतम न्यायालय में लंबित हैं। शिवसेना ने बुधवार को अपने मुखपत्र 'सामना' में पूछा, मंत्री पद की शपथ लेने के बाद बागियों ने गंगा नदी में डुबकी लगा ली है। लेकिन क्या वे 'धोखा देने का पाप धो' पाएंगे?

शिंदे-ठाकरे की लड़ाई पर सुनवाई फिर टली

अब सुप्रीम कोर्ट की नई तारीख 22 अगस्त

मुंबई। महाराष्ट्र में असली शिवसेना किसकी? शिवसेना पर अधिकार किसका? सीएम एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे गुट के बीच चल रही इस लड़ाई पर सुनवाई और शिंदे गुट में गए 16 विधायकों को अयोग्य ठहराने से संबंधित मामले की सुनवाई की तारीख एक बार फिर टल गई है। पहले 8 अगस्त को इसकी सुनवाई होने की बात थी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

राष्ट्रमंडल में परचम

राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रदर्शन जितना सुखद, उतना ही उत्साहजनक भी रहा है। विशेष रूप से बैडमिंटन, कुश्ती, भारोत्तोलन में भारत की उपलब्धियां काफी मायने रखती हैं। बैडमिंटन में रविवार को ही तीन पदक पक्के हो गए थे, लेकिन तीनों ही मुकाबलों में भारतीय खिलाड़ियों को जब स्वर्ण पदक हासिल हुए, तो यह अवसर बहुत विशेष बन गया है। पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन के स्वर्ण के अलावा सात्विक व चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी स्वर्ण पर कब्जा करके फिर एक बार साबित किया है कि भारत बैडमिंटन में एक सशक्त राष्ट्र है। पीवी सिंधु की जितनी तारीफ की जाए कम होगी, वह अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भारत का सबसे सम्मानित चेहरा बन गई हैं। लगभग यही सम्मानजनक स्थिति मीराबाई चानू की भारोत्तोलन में और साक्षी मलिक की कुश्ती में बन गई है। इसी कड़ी में मुक्केबाजी में निकहत जरीन और कुश्ती में विनेश फोगाट का नाम जोड़ लीजिए, तो भारतीय लड़कियों ने फिर एक बार कमाल कर दिखाया है। खास यह कि इसमें इस बार एक नया नाम जुड़ा है, मुक्केबाज नीतू गंघास का। इन सभी महिला खिलाड़ियों ने स्वर्ण जीतकर भारतीय खेलों के लिए आगे की राह को प्रशस्त किया है। यह लड़कियों का ही दमखम है कि भारत राष्ट्रमंडल खेलों में सम्मान का परचम लहराने में कामयाब हुआ है। हालांकि, इस बार प्रदर्शन पिछले राष्ट्रमंडल खेलों जितना अच्छा नहीं हुआ है। गोल्ड कोस्ट में आयोजित खेलों के पिछले संस्करण में भारत 26 स्वर्ण सहित 66 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर रहा था। यहां यह भी याद कर लेना चाहिए कि भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नई दिल्ली में आयोजित 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में किया था। भारत 2010 की पदक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया था। तब भारत को रिकॉर्ड 38 स्वर्ण सहित कुल 101 पदक हासिल हुए थे। मैनचेस्टर 2002 में भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा था। तब कुल 69 पदकों में 30 स्वर्ण शामिल थे। मतलब इस बार के खेलों में अपने प्रदर्शन से भारतीय राष्ट्रमंडल दल को प्रसन्न तो होना चाहिए, लेकिन ज्यादा अभिभूत होने की जरूरत नहीं है। आबादी के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा जैसे देश हमसे बहुत पीछे हैं, पर उनका खेलों में हमसे बहुत आगे होना, अपने आप में एक कहानी बयान करता है। राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल करीब 72 देशों के बीच चौथे स्थान पर होना मायने तो रखता है, लेकिन कहना न होगा, अब ऐसा प्रदर्शन भारत के आकार-प्रकार के बहुत अनुकूल नहीं है। महिला हॉकी टीम ने 16 साल बाद पदक हासिल किया है, तो पुरुषों की हॉकी टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बहुत निराश किया है। मुकाबले में 0-7 से हुई हार लंबे समय तक याद रहने वाली है। हॉकी पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पुरुष हॉकी टीम ही नहीं, महिला हॉकी टीम भी स्वर्ण जीत चुकी है। क्या आखिरी के मुकाबलों में हम पूरे दमखम से नहीं खेल पा रहे हैं? क्या खेलों की दुनिया में हो रहे तेज बदलावों के साथ हम कदमताल नहीं कर पा रहे हैं? क्या हमारे देश में खेल सुविधाओं का स्तर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, कनाडा या यहां तक कि न्यूजीलैंड के स्तर का भी नहीं है? भारतीय खेलों में अब पैसे की कोई कमी नहीं है, अतः भारत में खेल सुविधाओं में भी किसी तरह की कमी नहीं होनी चाहिए। बर्मिंघम के खेलों में हुई पदकों की बरसात और भी अच्छी हो सकती थी, लेकिन जो कमियां रह गई हैं, उन्हें जल्द से जल्द दूर करने पर सरकार का ध्यान जाना चाहिए।

संसद सत्र का बेहतर इस्तेमाल हो

सोचें, विपक्षी पार्टियां पिछले दो साल से चीन की घुसपैठ और सीमा पर चल रहे गतिरोध के बारे में चर्चा कराने की मांग कर रही हैं लेकिन सरकार इसके लिए भी तैयार नहीं हुई। विपक्ष ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए इस मसले पर चर्चा की मांग की थी। विपक्ष इस बात से आहत था कि सत्र के दौरान राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ईडी ने तलब किया और उनसे सात घंटे तक पूछताछ की लेकिन पीठासीन पदाधिकारी ने उनका बचाव नहीं किया। यह एक अहम मसला है। केंद्रीय एजेंसियों खासतौर से ईडी की कार्रवाई जिस अंदाज में विपक्षी पार्टियों के नेताओं के खिलाफ हो रही है वह सामान्य नहीं है। इस पर चर्चा कराई जानी चाहिए थी। लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई। हैरानी की बात यह है कि संसद में गतिरोध के लिए सरकार सारे समय विपक्ष को जिम्मेदार ठहराती रही।

संसद का मॉनसून सत्र निर्धारित समय से चार दिन पहले ही समाप्त हो गया। सत्रहवीं लोकसभा में यानी मई 2019 के बाद से ऐसा सातवीं बार हुआ है कि सत्र को निर्धारित समय से पहले समाप्त किया गया। इसमें दो साल के करीब कोरोना महामारी का समय भी शामिल है, जब स्थितियां बहुत विषम थीं। तब अगर सत्र का आयोजन नहीं हुआ या सत्र समय से पहले समाप्त हुआ तो उसकी वाजिब वजह थी। लेकिन अभी आजादी के अमृत महोत्सव से ठीक पहले के एक महीने से भी कम समय के सत्र का समय से पहले समाप्त होना हैरान करने वाला है। इसके जो कारण बताए जा रहे हैं वे भी हैरान और निराश करने वाले हैं।

सरकार की ओर से आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा गया लेकिन सरकार के सूत्रों के हवाले से मीडिया में जो खबरें आईं, उसमें दो कारण बताए गए। पहला कारण तो यह कहा गया कि सरकार के पास विधायी काम नहीं बचे थे इसलिए सत्र समाप्त कर दिया गया। दूसरा कारण यह बताया जा रहा है कि सत्र के आखिरी सप्ताह के दौरान दो छुट्टियां थीं इसलिए सांसद चाहते थे कि सत्र जल्दी समाप्त हो। यह बहुत बचकानी बात है। स्कूलों में बच्चे ऐसा चाहते हैं कि दो दिन की छुट्टी है तो दो दिन और छुट्टी ले लें ताकि पूरा हफ्ता छुट्टी हो जाए। सरकारी कर्मचारी भी ऐसा करते हैं। लेकिन सांसद सरकारी कर्मचारी नहीं होते हैं। वे भारत भाग्य विधाता होते हैं। उन 780 लोगों को देश के 140 करोड लोगों की किस्मत के बारे में फैसला करना होता है। वे इस तरह के बहाने से छुट्टियां लें, यह अच्छी बात नहीं है। खासतौर से इस सत्र में तो समय से पहले सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के बारे में सोचा भी नहीं जाना चाहिए था क्योंकि पहले दो हफ्ते वैसे ही हंगामे की भेंट चढ़ गए थे। विपक्ष पहले दिन से महंगाई, बेरोजगारी और खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी लगाए जाने के मामले पर बहस की मांग कर रहा था लेकिन सरकार किसी न किसी बहाने से इसे टाल रही थी। इस वजह से दोनों सदनों में गतिरोध बना रहा। टकराव इतना बढ़ गया कि दोनों सदनों के 27 सांसद निलंबित भी हुए। इसी दौरान राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति के चुनाव भी हुए और सांसद उसमें भी बिजी रहे। सो, कुल मिला कर तीसरे हफ्ते में कुछ कामकाज हुआ और चौथे हफ्ते के पहले दिन सत्र समाप्त हो गया। सत्र के समापन पर खुद राज्यसभा के निवर्तमान सभापति एम वेंकैया नायडू ने बताया कि 16 बैठकों में सिर्फ 35 घंटे कामकाज हुआ और 47 घंटे बरबाद हुए। लोकसभा में इससे थोड़ी बेहतर स्थिति रही। वहां 44 घंटे से थोड़ा ज्यादा काम हुआ और 37 घंटे के करीब समय बरबाद हुआ। इसके बावजूद सत्र चार दिन पहले समाप्त कर दिया गया। सरकार के सूत्रों के हवाले दिया गया यह तर्क भी पूरी तरह से सही नहीं है कि सरकार के पास विधायी काम नहीं थे। राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने बताया कि सरकार को वन्य जीव संरक्षण संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश करना था। इस बिल को लोकसभा ने पास कर दिया है और इसे राज्यसभा में पेश किया जाना था। रमेश ने कहा कि मंगलवार की मुहर्रम की छुट्टी के अगले दिन बुधवार को इस पर बहस के लिए उन्होंने तैयारी कर रखी थी लेकिन सरकार ने सोमवार को सत्र समाप्त कर दिया। आमतौर पर किसी सत्र में अगर एक सदन में कोई बिल पास होता है तो उसी सत्र में उसे दूसरे सदन में भेजा जाता है और पास भी कराया जाता है। लेकिन इस बार कम से कम दो विधेयकों के मामले में ऐसा नहीं हुआ। लोकसभा में सात विधेयक पास हुए लेकिन राज्यसभा सिर्फ पांच ही विधेयक पास हुए।

विधायी कामकाज के अलावा भी संसद सत्र में कई और काम होते हैं। जरूरी मसलों पर सवाल पूछे जाते हैं और मंत्री उनका जवाब देते हैं। हंगामे के बावजूद सवालों के जवाब सदन के पटल पर रखे जाते हैं, जिनसे देश के लोगों को कई बातों की जानकारी मिलती है। इसके अलावा देश के सामने मौजूद ज्वलंत मुद्दों पर संसद के अंदर चर्चा होती है। सरकार ने दो हफ्ते के गतिरोध के बाद महंगाई पर चर्चा कराई लेकिन उसके अलावा कई अहम मुद्दे हैं, जिन पर चर्चा नहीं हो सकी। सरकार ने सेना में बहाली की दशकों से चल रही प्रक्रिया को बदल दिया है। नियमित बहाली की जगह अग्निपथ योजना लाई गई है, जिसके तहत सेना में चार साल की नौकरी मिलेगी। बहुत बड़ा फैसला है, जो सरकार ने उस समय किया, जब संसद का सत्र नहीं चल रहा था। ऐसे में क्या यह सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती थी कि वह संसद को इसकी जानकारी दे और इस पर चर्चा कराए? विपक्ष के कई नेताओं ने इस अहम मसले पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था लेकिन सरकार ने चर्चा नहीं कराई।

सोचें, विपक्षी पार्टियां पिछले दो साल से चीन की घुसपैठ और सीमा पर चल रहे गतिरोध के बारे में चर्चा कराने की मांग कर रही हैं लेकिन सरकार इसके लिए भी तैयार नहीं हुई। विपक्ष ने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए इस मसले पर चर्चा की मांग की थी। विपक्ष इस बात से आहत था कि सत्र के दौरान राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को ईडी ने तलब किया और उनसे सात घंटे तक पूछताछ की लेकिन पीठासीन पदाधिकारी ने उनका बचाव नहीं किया। यह एक अहम मसला है। केंद्रीय एजेंसियों खासतौर से ईडी की कार्रवाई जिस अंदाज में विपक्षी पार्टियों के नेताओं के खिलाफ हो रही है वह सामान्य नहीं है। इस पर चर्चा कराई जानी चाहिए थी। लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं हुई। हैरानी की बात यह है कि संसद में गतिरोध के लिए सरकार सारे समय विपक्ष को जिम्मेदार ठहराती रही। सवाल है कि क्या संसद चलाने की जिम्मेदारी सिर्फ विपक्ष की होती है? सरकार ने कब सुचारू रूप से संसद चलाने का प्रयास किया? यहां तक कि जब 27 सांसद धरने पर बैठे थे तो सरकार की ओर से कोई भी उनसे बात करने नहीं गया! ध्यान रहे संसद को सुचारू रूप से चलाने की विपक्ष से ज्यादा जिम्मेदारी सरकार की होती है। उसे संसद सत्र का बेहतर इस्तेमाल करने के उपाय करने चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,
एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

10 मोहर्रम को हजरत इमाम हुसैन की याद में निकाला गया जुलूस

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। गत 9 जुलाई मंगलवार शाम को मुस्लिम समुदाय का मनाया जाने वाला त्यौहार मोहर्रम का जुलूस हजरत इमाम हुसैन की याद में निकाला गया आपको बताते चलें यह जुलूस हजरत इमामे हुसैन की शहादत को लेकर प्रतिवर्ष निकाला जाता है क्योंकि मुस्लिम समुदाय द्वारा यह कहा जाता है आपने इस्लाम की खातिर अपने आप को और अपने पूरे कुटुंब को कुर्बान कर दिया और इंसानियत की वह मिसाल कायम की है जिसे सदियों भुलाया नहीं जा सकता हजारों की तादाद में यह जुलूस तमाम शिया और सुन्नी समुदाय द्वारा मिलजुल कर एक साथ निकाला जाता है यह जुलूस मैं शिया समुदाय द्वारा हजरत इमाम हुसैन की शहादत में मातम करते हुए नजर आते हैं जुलूस का प्रारंभ वाई जंक्शन से लेकर कलवा रेती बंदर घाट पर संपन्न किया जाता है यह जुलूस में शिया और सुन्नी समुदाय द्वारा ताजिया और अलम हाथों में लेकर जाया जाता है और आखिरी पड़ाव रेतीबंदर घाट पर जाकर पानी में ठंडा कर दिया जाता है इस अवसर पर शिया इस्ना असरी जमात के अध्यक्ष अयाज हसन ने बताया यह मोहर्रम का जुलूस हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकाला जाता है उन्होंने बताया हजरत इमाम हुसैन ने अपने आप को कुर्बान करके दीन ने इस्लाम का परचम लहराया है और आपने इंसानियत की वह मिसाल कायम की है जिसे कयामत तक याद रखा जाएगा यह जुलूस में मुंब्रा शहर के तमाम समुदाय शिया सुन्नी और हिंदू भाई द्वारा मिलजुल कर निकाला जाता है हमारी जमात ए अंजुमन की ओर से जुलूस के इंतजाम के लिए वॉलिंटियर्स तैनात किए गए हैं जो आशिके हजरत इमाम हुसैन को शरबत और पानी पिलाने का काम कर रहे हैं यह वॉलिंटियर्स हमारे हर एक इलाके में तैनात किए गए हैं ताकि जुलूस में किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो और ताजिया ठंडे करते वक्त हमने तकरीबन 20 तेराको का इंतजाम किया है जिनको ताजिया ठंडा करने की जिम्मेदारी दी गई है बाकी और लोगों को घाट के पास जाने पर रोक लगा दी गई है इस अवसर पर उन्होंने मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त सागर सालुंके और कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी द्वारा किए गए प्रबंध की जमकर सराहना की और साथ मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग का आभार प्रकट किया कि उन्होंने इस जुलूस में अपने पूरे दलबल के साथ उपस्थित नजर आए ताकि जुलूस में किसी प्रकार का कोई घटना ना घटे हजारों की तादाद में हजरत इमाम हुसैन की शहादत से निकाला गया जुलूस का प्रबंध मैं मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति के तमाम अधिकारी और कर्मचारी की उपस्थिति नजर आई और आपदा नियंत्रण कक्ष दमकल विभाग की गाड़ियां को भी तैनात किया गया और ठाणे आयुक्तालय के पुलिस उपायुक्त परिमंडल एक के डीसीपी अविनाश अंबुरे और कलवा विभाग के सहायक आयुक्त विलास शिंदे और मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग भारी पुलिस बंदोबस्त के साथ नजर आए।

मुंबई पुलिस गुमशुदा बच्चों को माता-पिता से मिलवाने के लिए शुरू करेगी अभियान

मुंबई। मुंबई पुलिस लापता या अगवा किए गए बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए जल्द ही 'ऑपरेशन रीयूनाइटेड' शुरू करने जा रही है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन रीयूनाइटेड' 75वें स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को शुरू होगा और 15 सितंबर तक चलेगा। इस पहल को सफल बनाने के वास्ते शहर की पुलिस ने गुमशुदा और अगवा किए गए बच्चों का पता लगाने के लिए नागरिकों से भी मदद मांगी है।

अधिकारी ने बताया कि महीने भर चलने वाले इस अभियान के दौरान पुलिस ऐसे बच्चों के माता-पिता का भी पता लगाएगी और उन्हें उनके परिवारों से मिलाने में मदद करेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने लोगों से संदिग्ध हालत में नजर आने वाले बच्चों और रेलवे स्टेशन, बस अड्डे व सड़कों पर भीख मांगने वालों तथा कूड़ा बीनने वाले बच्चों की सूचना हेल्पलाइन नंबर 100 या 1098 पर देने की अपील की है।

नहीं पता कि महाराष्ट्र का असली मुख्यमंत्री कौन है: आदित्य ठाकरे

संवाददाता

मुंबई। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे-देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सोमवार को निशाना साधते हुए कहा कि यह समझना मुश्किल हो गया है कि राज्य का असली मुख्यमंत्री कौन है। ठाकरे ने कहा, एक सवाल पूछा जाता है कि राज्य में निर्वाचित सरकार है या नहीं। लेकिन दो लोगों की जंबो कैबिनेट में यह नहीं समझा जा सकता कि असली मुख्यमंत्री कौन है। अपने निजी आवास 'मातोश्री' में पार्टी कार्यकर्ताओं से आदित्य ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में बागी विधायकों के खिलाफ शिवसेना की लड़ाई के मामले में आने वाले फैसले का असर न केवल पार्टी, बल्कि पूरे देश पर पड़ेगा। शिंदे और फडणवीस के 30 जून को क्रमशः मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के एक महीने बाद महाराष्ट्र कैबिनेट का विस्तार मंगलवार को होने वाला है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी सरकार 29 जून को शिंदे और शिवसेना के 39 विधायकों की बगावत के बाद गिर गई थी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

बिहार में 8वीं बार नीतीश कुमार

शपथ लेने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मीडिया से बात की। नाम लिए बिना उन्होंने भाजपा पर हमला बोला। नीतीश ने कहा, 2014 में आने वाले, 2024 में रहेंगे तब ना। हम रहें या न रहें, वे 2024 में नहीं रहेंगे। मैं विपक्ष को 2024 के लिए एकजुट होने की अपील करता हूं। पीएम पद के सवाल पर उन्होंने कहा कि मैं इस पद का उम्मीदवार नहीं हूं। बेटे तेजस्वी के शपथ समारोह में शामिल होने के लिए राबड़ी देवी भी राजभवन पहुंचीं। हालांकि तेजस्वी के पिता और राजद सुप्रीमो लालू यादव खराब सेहत की वजह से कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। शपथ से पहले नीतीश ने लालू से फोन पर बात करके उन्हें सियासी हालात की जानकारी दी। पटना में बेटे तेजस्वी राजनीति की बिसात पर लगातार शह-मात का खेल खेलते रहे और दिल्ली में सांसद बेटी मीसा भारती के आवास पर दिन भर टीवी पर जमे राजद अध्यक्ष लालू यादव मौके दर मौके बेटे को गाइड करते रहे। वहां लालू यादव से मिलने वाले मुलाकात करने के लिए पहुंचते रहे। राजद सांसद प्रेमचंद्र गुप्ता पहुंचे और दोनों ने बिहार की राजनीतिक स्थिति पर देर तक बातचीत भी की।

महाराष्ट्र में 18 मंत्रियों ने ली शपथ

सबसे कम यानी 2 करोड़ की प्रॉपर्टी पैठण सीट से विधायक संदीपन भुमरे के पास है। कैबिनेट में 12 ऐसे मंत्री हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से कुछ पर गंभीर धाराएं भी लगी हैं। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, मुख्यमंत्री शिंदे पर 18 और उप मुख्यमंत्री पर 4 क्रिमिनल केस दर्ज हैं। नई कैबिनेट में एक मंत्री 10वीं और 5 बारहवीं पास हैं। इनके अलावा एक इंजीनियर, 7 ग्रेजुएट, 2 पोस्ट ग्रेजुएट और एक डॉक्टरेट की उपाधि ले चुके हैं। बीजेपी के विधायक सुरेश खाडे सबसे ज्यादा पढ़े-लिखे हैं। सीएम शिंदे भी 10वीं पास हैं और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ग्रेजुएशन किया है। मंत्री मंगल प्रभात लोढा पेशे से बिल्डर हैं। चुनावी हलफनामे के मुताबिक, उनके पास 441 करोड़ रुपए से अधिक की चल-अचल संपत्ति है। इनमें से 252 करोड़ रुपए से अधिक की चल संपत्ति और करीब 189 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। 14 लाख रुपए की जगुआर कार, बॉन्ड और शेयर में अन्य निवेश हैं। लोढा के पास दक्षिण मुंबई में पांच फ्लैट हैं। राजस्थान में एक प्लॉट और उनकी पत्नी के पास मालाबार हिल्स इलाके में एक मकान है। हलफनामे के मुताबिक, लोढा पर पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। वे छह बार विधायक रहे हैं। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बात की। इस बातचीत में उन्होंने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारियां दी। सीएम शिंदे ने कहा, आज हुई कैबिनेट बैठक में किसानों के लिए अहम फैसले लिए गए। ज्यादा बरसात होने की वजह से किसानों की फसलों का काफी नुकसान हुआ है। नुकसान का पंचनामा किया जा चुका है। कुछ ही ठिकानों में पंचनामे का काम बाकी है। अब तक मिली जानकारियों के मुताबिक राज्य में 15 लाख हेक्टेयर खेती का नुकसान हो गया है। ऐसे में किसानों को राहत देने के लिए शिवसेना और बीजेपी की सरकार ने एक फैसला किया है। इससे पहले जितना भरपाई कभी नहीं दी गई, उतनी भरपाई देने का फैसला किया गया है। सीएम शिंदे ने कहा, एनडीआरएफ के नियमों से दुगुने नुकसान की भरपाई देने का फैसला मंत्रिमंडल की बैठक में किया गया है। साथ ही दो हेक्टेयर की सीमा को भी बढ़ा कर तीन हेक्टेयर की सीमा तय कर दी गई है। यानी किसानों को बड़ी मात्रा में नुकसान भरपाई देने का हमने फैसला किया है। एनडीआरएफ के नियमों के तहत किसानों को प्रति हेक्टेयर 6800 रुपए की नुकसान भरपाई मिलती है। शिंदे सरकार ने इससे दुगुनी भरपाई यानी 13600 रुपए की प्रति हेक्टेयर नुकसान भरपाई करने का फैसला किया है।

शिंदे-ठाकरे की लड़ाई पर सुनवाई फिर टली

फिर यह खबर आई कि इसकी सुनवाई की संभावनाएं 8 अगस्त की बजाए अब 12 अगस्त को है। लेकिन एक बार फिर इस मुद्दे पर 22 अगस्त की नई तारीख आई है। यानी सुप्रीम कोर्ट में इस मुद्दे पर अब 12 अगस्त की बजाए 22 अगस्त को सुनवाई होगी। इस तरह सुनवाई की तारीख अब 10 दिन और आगे बढ़ गई है। सर न्यायाधीस एन वी रमण्णा 26 अगस्त को रिटायर हो रहे हैं। ऐसे में उन्हीं की तीन सदस्यीय बेंच में इसकी सुनवाई आगे कायम रहेगी, इसकी संभावनाएं कम हैं। इससे पहले हुई सुनवाई में उन्होंने अत्यंत ही कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया था। तीन अगस्त को हुई सुनवाई में शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य ठहराने के मामले से शुरू होकर यह लड़ाई, शिवसेना किसकी? इस सवाल पर आकर रुकी। इस पर कोर्ट ने एक अहम फैसला किया था।

महाराष्ट्र कॉलेज में 142वां मुंशी प्रेमचंद उत्सव

मुंबई। महाराष्ट्र कॉलेज ऑफ आर्टस सायंस एण्ड कॉमर्स के हिंदी विभाग कनिष्ठ महाविद्यालय द्वारा आयोजित 26 जुलाई से 29 जुलाई 2022 को मुंशी प्रेमचंद उत्सव मनाया गया था इस साप्ताहिक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। 26 जुलाई को मुंशी प्रेमचंद की कहानी पर चित्रकला प्रतियोगिता, पीपीटी प्रतियोगिता, एकल नाटक प्रतियोगिता रखी गयी थी जिस में 23 विद्याथीर्यों ने भाग लिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया। एकल नाटक प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 12 वाणिज्य की शीरीन परवीन द्वितीय पुरस्कार अब्दुल मजीद सांयस तृतीय पुरस्कार उम्म कुलसुम सांयस पीपीटी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार खान रमशा, द्वितीय पुरस्कार याास्मिन चौधरी, तृतीया पुरस्कार कुरैशी सलमान मॉडल स्पर्धा के विजयता मुज्जमिल 12 सांयस थे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम फरीदी अबु हन्जला, द्वितीय पुरस्कार खान फातिमा, तृतीय पुरस्कार खान महक ने प्राप्त किया। 28 जुलाई कहानी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार शीरीन परवीन, द्वितीय पुरस्कार शेख हफसा कला, तृतीय पुरस्कार खान फिरदौस ने प्राप्त किये। 27 जुलाई नाटक प्रतियोगिता में मुंशी प्रेमचंद कहानियों के पाँच नाटकों को छात्रों द्वारा मंच पर प्रस्तुत किया गया था जिसमें प्रथम पुरस्कार 'दो बहने' शिरीन परवीन तथा उम्म ए कुलसुम द्वितीय पुरस्कार 'कफन' खान अमान, खान इमामुददीन, शेख बिलाल तृतीय पुरस्कार 'बडे घर की बेटी' सबा तथा मो यासीन ने प्राप्त किये प्रोत्साहन पुरस्कार बुडी काकी और हजे अकबर ने प्राप्त किये इस में 30 छात्रों ने भाग लिया। 29 जुलाई को मुंशी प्रेमचंद इंटर कॉलेज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिस में 9 कॉलेज के छात्रों ने भाग लिया उस दिन कनिष्ठा महाविद्यालय के पूर्व प्रो. राम सागर पांडेय के नाम से राम सागर टॉफी पुरस्कार रखा गया था प्रथम पुरस्कार अंजुमन कॉलेज द्वितीय पुरस्कार महाराष्ट्र कॉलेज तृतीय पुरस्कार बुरहानी कॉलेज ने प्राप्त किये टॉफी चिन्ह अंकों के आधार पर बुरहानी कॉलेज के छात्रों ने प्राप्त किया निर्णायक- गण की भूमिका सरोज कुदाल मेडम, शेख सलीम सर, डॉ. एन. के शर्मा, खान मजलूम, अन्सारी हुसैन, खान फरजाना, शेख अख्तर, शेख शबनम ने निभाया आयोजिका की भूमिका प्रो. शेख खदीजा मैडम ने निभाई कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सिराज चोगले, डॉ महमुद ने अपने हाथों से छात्रों को पुरस्कार दे कर सीमानित किया तथा उन्होंने छात्रों के कला कौशल की बहुत प्रशंसा की इस कार्यक्रम को सफल बनाने का प्रयास हिंदी विभाग एंव उर्दू विभाग के प्रो. शेख खदीजा, शेख सय्यद आफरीन, शेख आसीफ तथा तसनीम के सिर जाता है इस कार्यक्रम को सफल बनाने में हिंदी साहित्य मण्डल कनिष्ठ महाविद्यालय के सारे सदस्यों का पुरा सहयोग रहा।

लड़कियों पर विवादित टिप्पणी करना मुकेश खन्ना को पड़ा भारी

महिला आयोग ने की सख्त एक्शन की मांग

मुंबई। लड़कियों पर की गई अपनी अपमानजनक टिप्पणी पर अभिनेता मुकेश खन्ना अब फंसते नजर आ रहे हैं। उनके इस बयान पर दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) ने सख्त रवैया अपनाया है। दिल्ली महिला आयोग ने एक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने को कहा है। इसके लिए दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बाकायदा दिल्ली पुलिस साइबर सेल को नोटिस जारी किया है और एक्टर के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। डीसीडब्ल्यू ने अभिनेता के खिलाफ महिलाओं पर कथित तौर पर की गई अपमानजनकर और गलत टिप्पणी को लेकर यह मांग की है। दरअसल, अभिनेता मुकेश खन्ना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इसमें वह कहते नजर आ रहे हैं, जो लड़की किसी लड़के को सेक्स के लिए कह रही है, वो धंधा करती है। ऐसी चीजों में लोगों को नहीं पड़ना चाहिए। मुकेश खन्ना कहते नजर आ रहे हैं, अगर कोई लड़की ऐसा कहती है तो इसका सीधा मतलब है कि वह लड़की सभ्य समाज की नहीं है, क्योंकि सभ्य समाज की लड़की ऐसा नहीं कहेगी। उनकी इस टिप्पणी पर यूजर्स उन्हें खूब खरी-खोटी सुना रहे हैं। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने खुद भी एक ट्वीट कर यह जानकारी साझा की है कि मुकेश खन्ना की टिप्पणी पर दिल्ली महिला आयोग सख्त एक्शन की मांग कर रहा है। उन्होंने लिखा है, शक्तिमान का किरदार निभाने वाले एक्टर मुकेश खन्ना द्वारा महिलाओं के खिलाफ दिए गए आपत्तिजनक बयानों पर एफआईआर दर्ज करवाने हेतु दिल्ली पुलिस को हमने नोटिस जारी किया है।

बढ़ रही गौवंस मे लंपी बिमारी को देखते हुए कई गौशाला में हुवा दवाई का छिड़काव

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। जोघपुर जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार जोधपुर जिले कई गोशालाओ मे वाय एस एस बल्ड ग्रूप द्वारा चराई के लिए इकट्ठी की गई लगभग 500,600 गायो मे से कुछ गाये लंपी स्किन डीजीज कि बीमारी से प्रभावित गौवशं पर दवाई का छिड़काव कर संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के व्यापक इंतजाम किये गये अध्यक्ष नदीम बक्ष ने बताया की बचाव के लिए आज ग्रामीणों की नेतृत्व में स्प्रे किया और जो गाये लंपी स्किन की बीमारी से ज्यादा प्रभावित है उनका टीकाकरण करवाया हर संभव उनको इस बीमारी से बचाने के लिए कदम बड़ाया। जिसमे इनकी रही अहम भुमिका नदीम बक्ष, अशफाक हुसैन आफरीदी, राम स्वरूप शर्मा, एजाज मोहम्मद, रईस बक्ष, मुजाहिद कुरेसी, वसीम कुरेसी, साकिर शेख, फिरोज खान व अन्य साथी सदस्य भी शामिल थे।

सस्ते हो सकते हैं हवाई टिकट

सरकार 31 अगस्त से हवाई किराए पर लगाए कैप को हटाएगी

एयरलाइन अपने हिसाब से तय कर सकेंगी कीमतें

नई दिल्ली। एयरलाइंस अब बिना किसी प्रतिबंध के टिकट का प्राइस तय कर सकेंगी। सरकार कोरोना महामारी के दौरान लगाए एयर फेयर कैप को पूरी तरह से हटाने जा रही है। एयर फेयर की ऊपरी और निचली दोनों लिमिट को हटाया जा रहा है। 31 अगस्त से ये लागू होगा। फेयर कैप वर्तमान में 15 दिनों के साइकिल में रोलिंग बेसिस पर लागू है। यानी एयरलाइंस बुकिंग की तारीख से 15 दिनों की अवधि के बाद की टिकटों की कीमतें निर्धारित करने के लिए स्वतंत्र हैं। 15 दिन के कैप को एक उदाहरण से समझते हैं। अगर किसी व्यक्ति को 15 अगस्त यानी आज से 5 दिन बाद अहमदाबाद से मुंबई जाना है तो उसे अकासा एयर की फ्लाइट के लिए करीब 4200 रुपए चुकाने होंगे। टिकट का ये रेट आज की तारीख से 14 दिनों तक लगभग इतना ही है। लेकिन जैसे ही आप 25 तारीख (15वें दिन) का किराया देखेंगे तो ये लगभग आधा है। यानी 2100 रुपए में आपको टिकट मिल जाएगा। यानी एयरलाइन ग्राहकों को सस्ता टिकट ऑफर करना चाहती है लेकिन प्राइस कैप के कारण वो ऐसा नहीं कर पा रही। उसे इसके लिए 15 दिनों का इंतजार करना पड़ता है।

टिकटों में छूट दे सकती है एयरलाइन: एयरलाइंस से एयरफेयर कैप हटाने के फैसले से इंडिगो, स्पाइसजेट, एयर इंडिया, विस्तारा और नई एयरलाइन अकासा सहित अन्य को राहत मिलेगी। दरअसल, भारत डोमेस्टिक एयर ट्रैवल में स्ट्रॉन्ग रिबाउंड देख रहा है। यात्रियों की संख्या पूर्व-कोविड स्तरों को छू रही है। इससे एयरलाइंस का रेवेन्यू बढ़ रहा है। एविएशन एक्सपर्ट विनम्र लोंगानी ने इसे यात्रियों के लिए पॉजिटिव बताया। पैसेंजर संख्या बढ़ाने के लिए एयरलाइन टिकटों में छूट दे सकती हैं।

फ्यूल डिमांड एनालिसिस के बाद फैसला: सिविल एविएशन मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, एयर टर्बाइन फ्यूल की डेली डिमांड और कीमतों का सावधानीपूर्वक एनालिसिस करने के बाद हवाई किराया कैप हटाने का निर्णय लिया गया है। कोरोना महामारी के कम होने के बाद से ही एयरलाइन्स डोमेस्टिक एयर फेयर के लिए प्राइस बैंड को हटाने की मांग कर रही थी। एयरलाइन्स का कहना था कि प्राइस कैप डोमेस्टिक एयर ट्रैफिक की फुल फ्लेज्ड रिकवरी के लिए हर्डल की तरह है।

मई 2020 में लगा था प्राइस कैप: कोरोना के कारण दो महीने के लॉकडाउन के बाद 25 मई 2020 को सर्विसेज फिर से शुरू होने पर एविएशन मिनिस्ट्री ने फ्लाइट ड्यूरेशन के आधार पर एयर फेयर पर लोअर और अपर लिमिट लगा दी थी। ट्रैवल रेस्ट्रिक्शन के कारण आर्थिक रूप से संघर्ष कर रही एयरलाइनों की मदद करने के लिए लोअर फेयर बैंड लाया गया था। अपर लिमिट इसलिए लगाई गई थी ताकि सीटों की मांग अधिक होने पर यात्रियों से ज्यादा किराया न वसूला जाए।

राजू श्रीवास्तव को हार्ट अटैक आया: दिल्ली के एम्स में भर्ती

नई दिल्ली। पॉपुलर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की बुधवार को तबीयत खराब हो गई। उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राजू को जिम में वर्कआउट करने के दौरान हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। उनके करीबी मकबूल निसार ने दैनिक भास्कर से कॉमेडियन को हार्ट अटैक आने की पुष्टि की है। मकबूल निसार ने बताया कि राजू श्रीवास्तव होटल के जिम में सुबह वर्कआउट कर रहे थे। इस दौरान ट्रेडमिल पर रनिंग करते समय उन्हें चेस्ट में पेन हुआ और वे नीचे गिर पड़े थे। इसके बाद तुरंत राजू को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वंदे गौ मातरम परिवार एवं पशु क्रूरता निवारण संघर्ष समिति ने सोपा ज्ञापन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। श्री श्री 108 श्री अखिल भारतीय महामंडलेश्वर श्री सरजूदास जी महाराज महंत योगी सूरज नाथ जी महंत योगी रामनाथ जी महंत योगी दीपक नाथ जी शंकर पुरी जी महाराज महंत योगी ओम नाथ की अगवाई में बीकानेर के सभी साधु संतों की उपस्थिति में बीकानेर धर्म नगरी में गायमाता और गौवशों पर आई भयानक बिमारी लम्पी संक्रमण से हो रही गौवशों की अकाल मृत्यु के बढ़ते आंकड़ों और चरमराई सरकारी अव्यवस्थाओं को उचित व्यवस्था में बदलवाने और गौ वंशों व गायमाता की पीडा में राहत राहत कार्य की मांग पर ज्ञापन पत्र श्री मान जिला कलेक्टर महोदय जी को सोपां गया जिसमें सभी गौ भक्त मौजूद रहे जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र सारस्वत प्रवक्ता कर्णपाल सिंह, सुरजमाल सिह निमराणां, अनुप गहलोत, प्रेम सिंह, रघुनाथ सिंह, श्रवण सिंह सांखला, राजेन्द्र सिंह कक्कू, मोहर सिंह, कैलाश राजपूरोहित, श्रवण सिंह खारा, ज्ञापन कार्यक्रम में पशु क्रूरता निवारण संघर्ष समिति, वन्दे गौ मातरम परिवार के सभी कार्यकर्ता और गौ भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष विमला उपाध्याय सरला राजपुरोहित सीमा पारीक अन्नपूर्णा जोशी सरस्वती अर्चना किरण शर्मा शशि गुप्ता कमलजीत कौर आदि उपस्थित रहे।

मुस्लिम महासंघ की जानिब से रोजदारो के लिये रोजा इफ्तार पार्टी

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

उदयपुर। पलटन मस्जिद चेतक उदयपुर मे यौमे आशुरा पर मुस्लिम महासंघ की जानिब से रोजा इफ्तार करते हुए अच्छी तादाद मे रोजदारो ने रोजा इफ्तार की बहुत खुशी हुई मुसलमानों की बड़ी तादाद आशुरा पर रोजा इफ्तार मे हिस्सा लेने आई। अल्लाह से दुआ है मुसलमानो को सही रास्ते पर चलने की तौफीक दे। पलटन मस्जिद के ईमाम साहब ने देश प्रदेश की खुशहाली के लिए दुआ की। मुस्लिम महासंघ के मुहम्मद हनीफ अहमद साहब इंजीनियर माजिद खान असलम खान फिरोज हुसैन सलीम खान मौजूद थे।

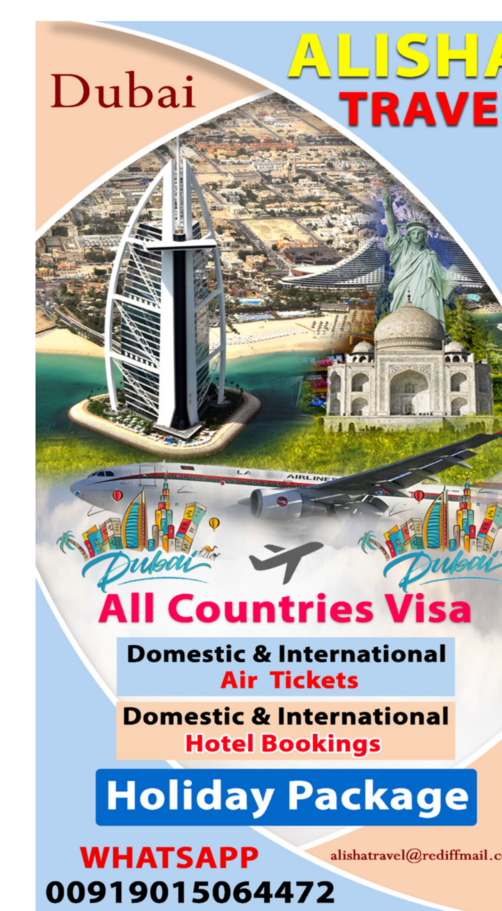

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में बजरंगदल नेता की गिरफ्तारी के विरोध में थाना घेरा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां के बजरंग दल नेता को गिरफ्तार करने के विरोध में कार्यकताओं ने काकादेव थाना घेर लिया। जानकारी के मुताबिक सोमवार देर रात काकादेव पुलिस ने विद्यार्थी प्रमुख प्रिंस राज श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर लिया जिसके विरोध में कार्यकर्ताओं ने थाना घेरकर जमकर हंगामा किया। सड़क पर बैठकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी भी की. इस दौरान कहासुनी और झड़प भी हुई। यह बवाल आज मंगलवार की सुबह तक जारी रहा। डीसीपी वेस्ट, एडीसीपी समेत सर्किल के थानों की फोर्स मौके पर पहुंची। सभी ने समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन प्रिंस की रिहाई की मांग करते हुए बजरंग दल के कार्यकर्ता हनुमान चालीसा का पाठ करने लगे। माहौल बिगड़ता देख

देर रात आरआरएफ भी तैनात कर दी गई है। पुलिस ने आसपास की सड़कों पर यातायात रोक दिया, ऐसे में वाहन सवारों को परेशानी झेलनी पड़ी। बजरंग देल नेता की गिरफ्तारी के बारे में पुलिस ने जो जानकारी दी है उसके मुताबिक राणा प्रताप नगर के रहने वाले प्रिंस राज श्रीवास्तव के दो वीडियो सोमवार को वायरल हुए थे। एक वीडियो 48 सेकेंड का है जिसमें वह एक किन्नर से गाली-गलौज और मारपीट करता दिख रहा है। जबकि दूसरे एक मिनट 48 सेकेंड के वीडियो में डबल पुलिया स्थित पेट्रोल पंप कर्मी से मारपीट का था। इसी के साथ एक युवती ने प्रिंस लाला और उसकी प्रेमिका पर अश्लील वीडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का भी केस दर्ज कराया था। जिसकी वजह से ही बजरंग दल नेता को गिरफ्तार किया गया।

कानपुर में तुर्की और बैंकॉक की चांदी वाली राखियां भी कर रहीं आकर्षित

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। आज पूर्णिमा तिथि दो दिन यानी 11 व 12 अगस्त को मनाये जाने वाले राखी के त्योहार भाइयों के हाथों पर बांधने के लिए तुर्की और बैंकॉक की चांदी वाली राखियां आकर्षित करने से नहीं चूक रहीं। कुल मिलाकर यहां रक्षाबंधन को लेकर शहर के गुलजार बाजारों में राखियों की बिक्री तेजी से हो है। खास बात यह भीकि इस बार राखियों के दामों में 20-30 रुपये तक की बढ़ोत्तरी हो चुकी है। साथ ही इस बार तुर्की और बैंकॉक से आने वाली चांदी की राखियां भी लोगों को कम आकर्षित नहीं कर रही हैं। वैसे कुछ बहुत सोने की राखी भी डिमांड है लेकिन तुर्की और बैंकॉक से आने वाली क्रिस्टल, मैगनेट और धागा राखियां भी लोगों को कुछ अधिक भा

आज रक्षाबंधन के त्यौहार के लिए बाजारों में भीड़

रही हैं। इनकी कीमत 800 रुपये से लेकर 3500 रुपये तक बताई गई है। वहीं बाजारों में आम लोगों के लिए 20 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक की भी राखियां मौजूद हैं। अगर अधिक कीमत की बात करें तो 400, 500, 800 और 900 रुपये तक की राखियां भी बाजार में उपलब्ध हैं। वहीं सोने की चार से पांच ग्राम हॉलमार्क वाली राखी की कीमत 18,000 रुपये से शुरू होती है। इसी क्रम में यहां कलकत्ता की बनी राखियों की भी खूब डिमांड है। दूसरी ओर चाइनीज राखियों की चकाचौंध से बाजार पटा पड़ा हुआ है। व्यापारियों के अनुसार हर रेंज की राखी में दस रुपये से बीस रुपये तक की बढ़ोत्तरी हो गई है। यही नहीं लोगों को 20 रुपये से 200 रुपये कीमत तक की बच्चों के लिए कई तरह की खिलौने, लाइटिंग और कार्टून वाली राखियों के साथ-साथ नई डिजाइन की मनोहक राखियां भी आकर्षित कर रही हैं। इसी तरह से म्यूजिक घड़ी राखी 180 रुपये, स्कैनर राखी 20-30 रुपये, कार्टून राखी 30-50 रुपये, ब्रेसलेट बैंड राखी 35-50 रुपये और तुर्की और बैंकॉक से आने वाली चांदी की राखियां- चेन राखी 800-3500 रुपये, इंपोर्टेड धागा राखी 800-1000 रुपये, क्रिस्टल मैग्नेट राखी 2800-3000 रुपये, चांदी बैंड राखी 2000-2500 रुपये तक बिक रही हैं।

मोहर्रम का पर्व आस पास के क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। मोहर्रम का पर्व आस पास के क्षेत्र में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया चारों तरफ मोहर्रम देखने वालों का तांता लगा रहा मोहर्रम के पर्व पर किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना का समाचार नहीं है पुलिस का भी पूर्ण तरीके से सहयोग रहा चप्पे चप्पे पर पुलिस की पहरेदारी रही उधर मोहर्रम पर्व के शुभ अवसर पर पूरे दिन बिजली की कटौती रही भीषड़ गर्मी के चलते लोग बेहाल रहे पेयजलापूर्ति भी बाधित रही नगर के अन्दर वार्ड वासियों को बिजली एवं पानी को लेकर दुविधाओं का सामना करना पड़ा नगर पालिका परिषद द्वारा पानी सप्लाई की वेकल्पिक व्यवस्था की गई लेकिन पूर्ण तरीके से लोगों को पानी तक उपलब्ध नहीं हो सका नगर पालिका परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था आदि का सम्पूर्ण तरीके से ध्यान रखा गया मोहर्रम की जगह पर पूरे दिन सफाई कर्मियों सहित पुलिस की भी निगरानी रही इस मौके पर पालिकाध्यक्ष पति मकसूद लाला धनी राम सैनी दिनेश सुदेश नरेश ऐहतराम जियाउर्हमान इकबाल सहित आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दीदी फाउंडेशन ने हर्ष, उमंग और खुशी के साथ मनाया सावन मिलन समारोह: डॉ नम्रता आनंद

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

पटना। राजधानी पटना के कुरथौल के राजपूताना स्थित फुलझड़ी गार्डन में दीदी जी फाउंडेशन की स्थापना डॉ नम्रता आनंद ने सावन की उमंग दीदी जी फाउंडेशन के संघ कार्यक्रम का आयोजन किया हरा परिधान, हरि चूड़ियां, मेहंदी आदि से सज धज कर, झूले पर बैठकर कादरी एवं बज रहे सावन के गीतो के बीच पूरे हर्षोल्लास के साथ सावन मिलन कार्यक्रम मनाया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्जवलित कर क्या गया। इसके बाद स्वर्गीय फुलझड़ी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि मिसेज इंडिया कांन्टिनेट श्रीमती श्वेता झा, मिस पटना दिव्यांशी,आईग्लैम मिसेज बिहार फर्स्ट रनर अप स्वर्णलता शर्मा, मिस रॉयल स्टार इंडिया अलीशा एवं राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव महिला प्रकोष्ठ

लक्ष्मी सिन्हा मौजूद थीं, जिन्हें फुलबुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने सावन गीतों पर जमकर मस्ती की। सावन गीत के साथी ही कार्यक्रम में हरी साड़ी पहन कर आई महिलाओं ने हरियाली बिखेरी। कार्यक्रम का संचालन डॉ नम्रता आनंद, प्रेम कुमार, अखौरी योगेश कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ नम्रता आनंद ने कहा, सावन जीवन में हरियाली का प्रतीक है। सावन के महीने में हर हर रंग पहनना शुभ माना जाता है। यह महीना सुहागिनों के लिए विशेष महत्व रखता है। सावन का महीना प्रकृति को समृद्ध बनाता है। सावन के मौसम में प्रकृतिक का मनोरम रूप देखने को मिलता है। इस मौसम में धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। सावन महीने में भगवान शिव की विधि विधान से पूजा करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। भागदौड़ भरी जिंदगी में कभी कभी अपने मनोरंजन के लिए भी वक्त निकालना चाहिए। सावन मिलन महोत्सव एकता का प्रतीक है। समाज की महिलाओं के मनोरंजन के लिए हम हर साल सावन मिलन का आयोजन करते हैं, जिसमें सभी महिलाएं इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। श्रीमती लक्ष्मी सिन्हा ने कहा कि सावन का महीना बहुत ही पवित्र होता है, इस महीने में चारों तरफ हरियाली छा जाती है, निश्चित तौर पर उदास मन को कहीं ना कहीं खुशी मिलती है, सावन मिलन कार्यक्रम के जरिए एक दूसरे से भी मेल मिलाप हो जाता है। ऐसे कार्यक्रम हमें हमारी संस्कृति से जोड़ते हैं। इस अवसर पर हर्ष म्यूजिकल ग्रुप के कलाकारों ने सावन गीत पर आधारित प्रस्तुत देकर समां बांध दिया।प्रस्तुति देने वाले कलाकारों में दिवाकर कुमार वर्मा, कुंदन तिवारी, रत्ना गांगुली, सुप्रिया सिन्हा, सुमिता सिन्हा, आनंद कुमार सिंघल, प्रेम कुमार और डॉ नम्रता आनंद शामिल रही। मौके पर दीदीजी फाउंडेशन संस्कारशाला के बच्चों ने भी मनमोहक प्रस्तुति दी सभी महिलाओं को चूड़ी, बिंदी, मेहंदी, सिंदूर दिया गया। इस अवसर पर मिथिलेश सिंह, मुकेश महान, रंजना कुमारी, रंजीत प्रसाद, वरिष्ठ पत्रकार बसंत सिन्हा, अरविंद जी, निरंतर हर्षा,नियति सौम्या, रंजीत ठाकुर, राजकुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थिति थे। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों और मीडिया बंधुओं को सम्मानित किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रोजाना खाएंगे सिर्फ 10 चेरी तो मिलेंगे ये बेमिसाल फायदे

चेरी मानसून और गर्मियों का फल है। ये खट्टा-मीठा फल खाने में जितना टेस्टी होता है। सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है। इसमें पाए जाने वाले कार्बोहाईड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। इन पोषक तत्वों की वजह से चेरी को सुपरफूड की श्रेणी में रखा जाता है। यही पोषक कई प्रॉब्लम को दूर करने में मददगार होता है। अगर रोज 10 चेरी खाई जाए तो आप कई बीमारियों से बच सकते हैं।

1. आंखों के लिए फायदेमंद
चेरी में विटामिन ए की भरपूर मात्रा पाई जाती है। इसको खाने से आंखों से संबंधित समस्याएं नहीं होती। जिन लोगों को मोतियाबिंद की समस्या हो उनको रोजाना चेरी खानी चाहिए।

2. याद्दाशत बढाएं
चेरी में याद्दाशत बढ़ाने वाले गुण पाए जाते हैं। जिन लोगों को बातें या चीजें भूलने लगती हैं। उनके लिए चेरी खाना बहुत फायदेमंद होता है।

3. अनिद्रा की समस्या से छुटकारा
चेरी में मेलाटोनिन की बहुत मात्रा होती है, जो अनिद्रा की समस्या से छुटकारा दिलाता है। रोजाना सुबह-शाम 1 गिलास चेरी का जूस पीने से अच्छी नींद आने लगेगी।

4. हड्डियां मजबूत
आजकल बहुत से लोगों को हाथों-पैरों की हड्डियों में दर्द होने या हड्डियां संबंधी कई प्रॉब्लम्स होने लगती है। हड्डियों की समस्याओं से राहत पाने के लिए रोजाना चेरी खाएं।

5. दिल को रखे हैल्दी
चेरी में आयरन, मैगनीज, जिंक, पोटेशियम आदि कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसके साथ ही इसमें बिटा कैरोटीन तत्व भी होता है जो दिल की बीमारी को दूर करने में मदद करता है।

6. कैंसर
चेरी में मौजूद एंटीआक्सीडेंट्स शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति देते हैं। इसके साथ ही चेरी में फिनॉनिक एसिड और फ्लेवोनॉयड भी होता है जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के ऊतकों को बढ़ने से रोकते है।

7. वजन करें कंट्रोल
जो लोग वजन कम करना चाहते हैं उनके लिए चेरी किसी औषधि से कम नहीं है। चेरी में वसा की मात्रा बहुत कम पाई जाती है। इसके साथ 70 % पानी होता है जो घुलनशील फाइबर के लिए अच्छा होता है। रोजाना चेरी खाने वजन कंट्रोल में रहने के साथ ही पाचन तंत्र मजबूत होता।

8. ब्लड प्रैशर रखे ठीक
चेरी में पोटैशियम की मात्रा होती है जो शरीर में स्थित सोडियम की मात्रा कम कर देता है। इस वजह से शरीर का रक्तचाप स्तर सामान्य हो जाता है। इसी के साथ कोलेस्ट्रोल का स्तर भी कंट्रोल में रहता है।

9. डायबिटीज में सहायक
रोजाना चेरी खाने से डायबिटीज की समस्या से राहत पाई जा सकती है। चेरी में पाए जो वाले गुण चेहरे की रंगत को साफ करने से साथ ही शरीर में इन्सुलिन की मात्रा को कम करके डायबिटीज के स्तर को कम करता है।

10. त्वचा में लाएं निखार
त्वचा को सॉफ्ट बनाने और रंगत निखारने के लिए चेरी का फल खाएं। आप चाहे तो चेरी का पेस्ट बनाकर भी चेहरे पर लगा सकते हैं। चेरी के पेस्ट को नियमित रूप से चेहरे पर लगाने से मृत कोशिकाएं हट जाती है। डैड सैल्स हटने से चेहरे पर निखार आने लगता है।

स्किन को ग्लोइंग और बेदाग रखने के लिए लगाएं केले से बनी होममेड क्रीम

केला हर सीजन में आसानी से उपलब्ध होने वाला फल है, जिसका इस्तेमाल सीरप व ब्यूटी प्रॉडक्टस में भी किया जाता हैं। केले से स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉब्लम तो दूर होती है साथ ही इसके अलग-अलग इस्तेमाल से चेहरे की कई समस्याएं भी झट से गायब हो जाती हैं। केले का इस्तेमाल डार्क सर्कल्स, चेहरे की रंग निखारने, पिंपल्स व घुटनों और कोहनियों का कालापन दूर करने के लिए भी किया जाता हैं। कई फेश क्रीम, फेस मास्क और फेसपेक के रूप में भी इसका यूज होता हैं लेकिन मार्केट में मिलने वाले इन ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में अन्य कई कैमिकल्स भी मिलाए जाते है, जो हर किसी की स्किन पर सूट नहीं करते है इसलिए बेहतर है कि होममेड तरीके से केले से बनी क्रीम्स और फेसपैक व फेसमास्क का इस्तेमाल करके अपनी खूबसूरती को निखारा जाए, ताकि हमारी त्वचा को किसी प्रकार का कोई नुकसान न हो। आज हम आपको केले से बनी होममेड क्रीम्स बनाना सिखाएंगे, जो आपकी स्किन को नरिशिंग करके स्किन की कई प्रॉब्लम से दूर करेगी।

बनाना क्रीम बनाने की सामग्री
- 1/2 केला
- 3 बड़े चम्मच दूध

बनाने का तरीका
1. केले को छोटे-छोटे स्लाइस में काट लें। फिर इन स्लाइस को बाउल में डालकर अच्छे से मैश करें।
2. फिर इसमें दूध डालकर अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें।
3. अब इस क्रीम को अपनी उंगुलियों की मदद से चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 3 से 4 मिनट तक चेहरे पर लगी रहने दें।
4. इस क्रीम को चेहरे से उतारने के लिए गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। फिर अपने चेहरे और गर्दन को तौलिए से अच्छे से सुखा लें।

ध्यान रखने वाली बात
अगर आपकी स्किन नॉर्मल है तो यह बनाना क्रीम बैस्ट है। इस क्रीम को लगाने से चेहरे पर ग्लो बना रहता है और स्किन नरिशिंग होती हैं।

खून की कमी और इंफेक्शन दूर करने के लिए रोज पीएं इस फल का 1 गिलास जूस

खून की कमी की वजह से हमारे शरीर में एनर्जी कम होने लगती हैं और जब शरीर में एनर्जी कम होने लगती हैं तो बॉडी में थकान, चेहरे पर पीलापन, हाथ पैर का सुन्न होना व अन्य कई तरह की प्रॉब्लम्स शुरू हो जाती हैं। अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो यह प्रॉब्लम आगे कई अन्य समस्याओं को बढ़ा देता है। उसी तरह ब्लड इंफैक्शन होने पर भी कई तरह की प्रॉब्लम्स हो सकती हैं।

अगर आप खून की कमी या इंफैक्शन से ग्रस्त हैं तो आपको इस स्पैशल जूस का सेवन करना चाहिए। यह आपके खून की कमी को पूरा कर ब्लड इंफैक्शन को दूर करेगा। रोजाना एक गिलास इस जूस का सेवन करें। क्रेनबेरी जूस यानी कि करौंदे का जूस, इसमें विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है इसके अलावा इसमें विटामिन ए, एस्कॉर्बिक एसिड और ऊर्जा से भरपूर होता है जो एनीमिया, कब्ज, पाचन संबंधी समस्याओं को दूर रखता है।

1. यूरिनेरी ट्रेक्ट इंफेक्शन
इस जूस से पाचन समस्याओं के साथ मूत्र प्रणाली के रोग भी दूर होते हैं। क्रैनबेरी जूस में प्रोएंथोसायनेडिंस होते हैं, जो ब्लैडर की वॉल पर बैक्टीरिया और कोशिकाओं को मिलने से

रोकते हैं। साथ ही यूरिन के रास्ते गंदे बैक्टीरिया को शरीर से बाहर भी निकालते हैं।

2. मसूड़ों की समस्या
यह दांतों को सड़न से बचाने के साथ सांस की दुर्गन्ध को भी रोकता है हालांकि इस जूस में शुगर की मात्रा अधिक होती है, तो बेहतर रहेगा कि दिन में क्रैनबेरी का जूस केवल एक गिलास ही पीएं।

3. दिल के रोगों व डायबिटीज
क्रैनबेरी जूस दिल के रोगों और डायबिटीज से बचाने में मददगार है। यह कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है जिससे दिल संबंधी रोग नहीं होते। क्रैनबेरी में मौजूद पॉलफिनॉल हमारे शरीर को बीमारियों से बचाने वाले सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। रोज 2 गिलास लो-कैलरी क्रैनबेरी जूस पीने से दिल की बीमारियों का खतरा 10 फीसदी तक कम हो जाता है।

4. वजन घटाएं व रक्तचाप कम करें
अगर आप रोजाना इस जूस का सेवन करते हैं तो इससे स्तन कैंसर से बचा जा सकता है। इसमें कम कैलोरी होने के कारण, यह वजन घटाने में भी सहायक है। हाई ब्लड प्रैशर वालों के लिए भी यह जूस फायदेमंद है। इसे पीने से रक्तचाप कम होता है। इस जूस से ब्यूटी से जुड़े फायदे भी मिलते हैं।

अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिती
जिग्नेश भाई कलावाड़िया
राष्ट्रीय अध्यक्ष (एबीपीएसएस)
डॉ सोहेल खंड़वानी
(ट्रस्टी हाजी अली– महिम दरगाह)
संरक्षक (एबीपीएसएस)
राकेश प्रताप सिंह परिहार
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)
अब्दुल महफूज खान
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)
रत्नाकर त्रिपाठी
राष्ट्रीय महासचिव (एबीपीएसएस)
सभी को भाई-बहन के
बहुमूल्य महापर्व
रक्षाबंधन
की हार्दिक
शुभकामनाएं
दिलशाद एस. खान
संपादक - दै. मुंबई हलचल / राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एबीपीएसएस)